



8 मार्च

नारी के हर  
एक रूप को  
प्रणाम

महिला दिवस

की हार्दिक

शुभकामनायें









© BCCI

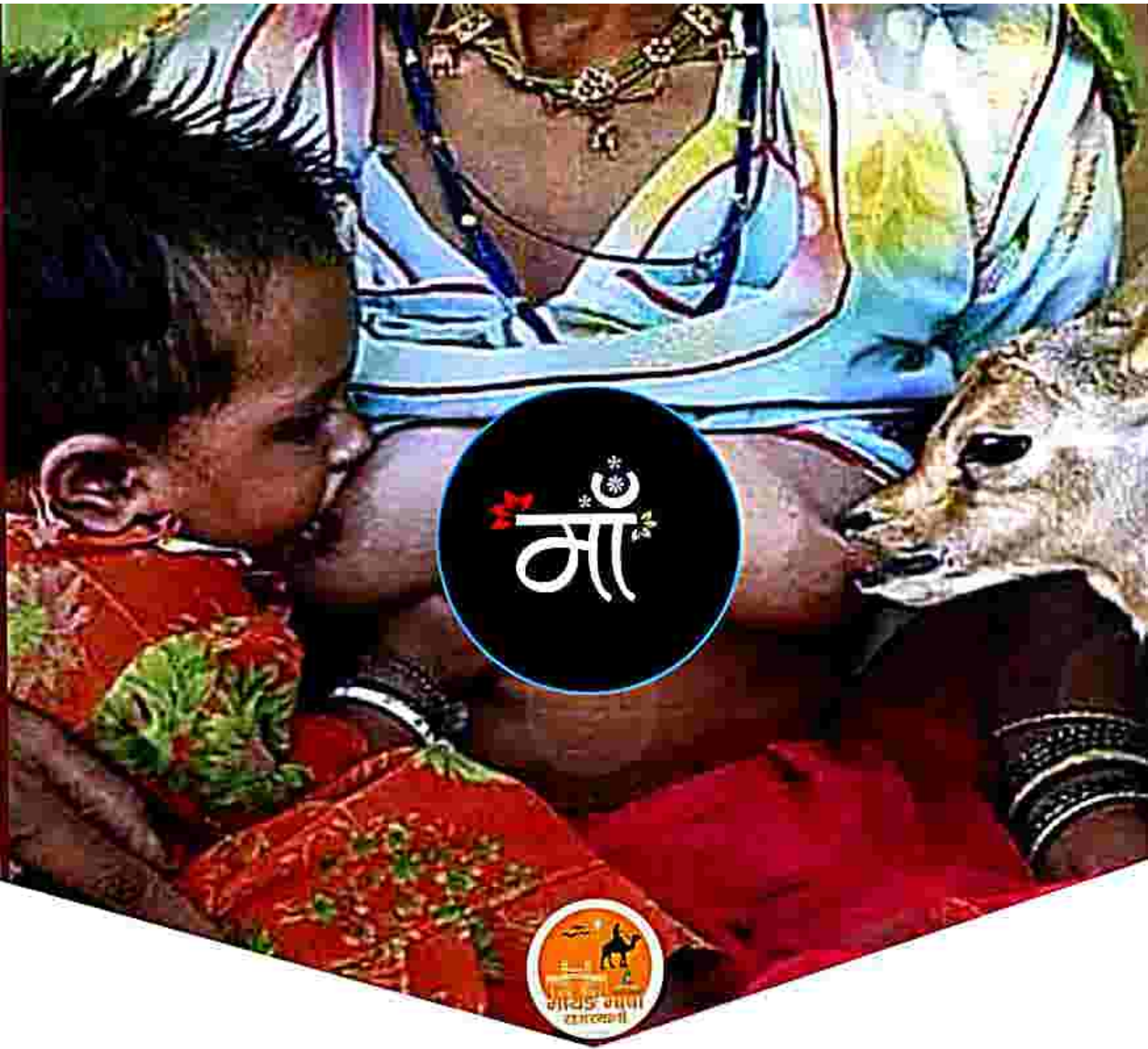








मनडौ तरसै मिळण नै, प्रीत करै मनवांर ।  
आलीजा घर आवजौ, फागण रा दिन च्यार ॥



पूत-पिराणीं एक सा, उमड़ै है जद हेत ।  
निंवण आपनै मावड़ी, आठों अंग समेत ॥





फागण महिने पदमणी, टसकै पाड़ै टीस ।  
आलीजा बिन अणमणी,रह रह दाबै रीस ॥





कद आवैली कामणीं, साची देय बताय ।  
विरह अगन मं दाझणों, म्हासूं सह्यौ न जाय ॥





कड़ कड़ जाड़ी बाजती, धड़ धड़ धूजै गात ।  
दड़ बड़ दौड़ै खेत में, करसौ आखी रात ॥





सीधे मारग चालणू, आडा में अपराध ।  
ऊझड़ घाले आंतरो, सदा राखले याद ॥



सुख दुख रा साथी रया, बाळपणै रा यार ।  
ओळू बण इब रह गया, सूनौ कर संसार ॥





दादा थारै हेत रा , कतरा कळं बखाण ।  
पोती माथै मन घणो, जीवै जिण रै पाण ॥





istock.  
by Getty Images™















































gettyimages'  
Credit: NNehring

































